16 अप्रैल 2014

प्रति

प्रिय महोदय/महोदया,

विषय : पीएसआईजी की प्रौद्योगिकी समावेशी निधि में साझेदारों को तकनीकी परामर्शी सहयोग उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध

निविदा संख्या - सिडबी/पीएसआईजी/04-14/08

डीएफआईडी द्वारा समर्थित निर्धनतम राज्य समावेशी वृद्धि(पीएसआईजी) कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की व्यापक आर्थिक संवृद्धि में निर्धन महिलाओं एवं पुरुषों को सहभागिता करने और उसका लाभ उठाने में समर्थ बनाना है तथा उनकी आय एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम भारत के चार राज्यों अर्थात मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उडीसा तथा बिहार में कार्यान्वित किया जा रहा है। कार्यकम का उद्देश्य निर्धन व्यक्तियों अधिक से अधिक वित्त प्रदान करना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके और नाजुक आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। इस कार्यक्रम का प्रबंध भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक(सिडबी), नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है।

1. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, जो इसके पश्चात सिडबी के रूप में संदर्भित होगा, आपको इस प्रस्ताव के संबंध में उक्त कार्य के लिए अनुरोध(आरएफपी) पैकेज के अनुरूप अपनी निविदा प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित करता है।

2 इस पैकेज में निहित सभी सूचनाएं वाणिज्यिक रूप से गोपनीय मानी जाएंगी और आपसे भी यह अपेक्षा की जाती है कि आप इसका प्रसार उन्हीं तक सीमित रखेंगे, जिनके लिए ये आवश्यक हैं।

3 इस निविदा आमंत्रण(आईटीटी) पैकेज में निम्निलखित दस्तावेज शामिल हैं :

i. प्रावरण पत्र
ii. पावती पत्र

iii. निविदा आमंत्रण संबंधी अनुदेश
iv. प्रस्ताव का फार्म
v. विचारार्थ विषय
vi. मॉडल संविदा

4 यदि आप निविदा प्रस्तुत करना चाहते हैं, तो आपको कार्य का नाम एवं निविदा संख्या का उल्लेख करते हुए 7 दिनों के भीतर पत्र, फैक्स या ई-मेल द्वारा (surendra@sidbi.in/jaganp@sidbi.in) पावती भेजनी होगी।

5. सिडबी की अधिप्राप्ति नीति में यह निर्धारित है कि ऐसे परामर्शदाता, जो किसी परियोजना के डिजायन से संलग्न रहे हों, वे कार्यान्वयन चरण के लिए प्रतिस्पर्द्धा नहीं कर सकते हैं। डिजायन के अंतर्गत संभाव्यता अध्ययन, कार्यान्वयन चरण के लिए विचारार्थ विषय की रूपरेखा तैयार करना, परियोजना का पूर्व मूल्यांकन तथा परियोजना की किसी अन्य तैयारी से संबंधित कार्य शामिल होंगे।

यदि प्रतिस्पर्द्धा मात्र कार्यान्वयन चरण के लिए की जाती है, तो ऐसे मामलों में निविदाकर्ताओं से अपेक्षित है कि वे अपनी पावती में इस बात की पुष्टि करें कि न तो वे स्वयं और न ही कोई निविदा संघ, उसकी मूल कम्पनी, उसके स्वामित्ववाली सहायक संस्थाओं, संबंधित कम्पनियों का कोई सदस्य और न ही कोई उप संविदाकर्ता इस परियोजना के डिजायन से किसी भी रूप में संबद्ध रहा है। यदि आपको इसके बारे में कोई संदेह है, तो स्पष्टीकरण के लिए कृपया संविदा अधिकारी से संपर्क करें।

6 सिडबी का प्रयास रहेगा कि निविदा-आमंत्रण में सभी संबद्ध सूचनाएं उपलब्ध करा दी जाएं। तथापि, यदि निविदा अवधि में आपको किसी प्रकार की अन्य जानकारी या स्पष्टीकरण की आवश्यकता पड़े, तो आप केवल संविदा अधिकारी से ही संपर्क करें, जिनका नाम नीचे दिया गया है। निविदाकर्ता किसी भी जानकारी के लिए सिडबी के किसी अन्य कर्मी, जो निविदा आमंत्रण से संबंधित इस कार्य में संलग्न हो, से सीधे संपर्क न करे। इन अपेक्षाओं का अनुपालन न करने पर आपके संगठन को इस प्रतिस्पर्द्धा से बाहर किया जा सकता है।

संविदा अधिकारी अंतिम तिथि से पिछले 6 कैलेंडर दिवसों में किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं देगा। अत: यदि किसी प्रकार की जानकारी चाहिए, तो अपने प्रश्न

इससे पूर्व जितना जल्दी हो सके भेज दें। समानता सुनिश्चित करने के लिए, यदि उचित समझा जाएगा, तो सिडबी का उत्तर प्रश्न पूछने वाले के नाम का उल्लेख किए बिना सभी निविदिकर्ताओं को भेजा जाएगा।

7 निम्नलिखित अनुदेशों की ओर आपका ध्यान विशेष रूप आकृष्ट किया जा रहा है:

क) निविदाकर्ताओं की मिलीभगत	निविदा आमंत्रण अनुदेशों में पैरा- 10
ख) हितों का टकराव	निविदा आमंत्रण अनुदेशों में पैरा-12 तथा परामर्शी संविदा की शर्तों में खंड21
ग) प्रकटीकरण	निविदा आमंत्रण अनुदेशों में पैरा -13

8 आपकी निविदा(भारतीय मुद्रा में) की 5 प्रतियॉ (1 मूल प्रति तथा 4 प्रतियॉ) 15 मई, 2014 को 1730 बजे तक अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए, जो कि 6 माह तक वैध रहेगी। निर्धारित समय एवं तिथि के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं को बिना खोले लौटा दिया जाएगा। तकनीकी बोलियां 19 मई, 2014 को 1500 बजे निम्नलिखित पते पर खोली जाएंगी

निर्धनतम राज्य समावेशी वृद्धि कार्यक्रम(पीएसआईजी)
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)
भूतल, वीडियोकोन टावर, ई-1
रानी झांसी रोड, झंडेवालां एक्सटेंशन
नई दिल्ली - 110 055
फोन नम्बर - 011-23519653
ई-मेल आईडी - **surendra@sidbi.in.**

आवेदन तैयार करने से संबंधित किसी भी स्पष्टीकरण के लिए 25 अप्रैल, 2014 (1730 बजे) तक उप महाप्रबंधक, पीएसआईजी, सिडबी से ई-मेल **surendra@sidbi.in/Jagan@sidbi.in** पर संपर्क करें, जिनके उत्तर सिडबी की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। यदि आवश्यकता हुई तो सिडबी, नई दिल्ली में अनुमानत: 29 अप्रैल, 2014 को 1500 बजे एक पूर्व-प्रस्ताव बैठक भी आयोजित की जा सकती है। इसकी जानकारी सिडबी की बेवसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी । साथ ही, उक्त संपर्क के लिए दिए गए विवरणों पर संपर्क करके भी संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वाणिज्यिक बोलियां 05 जून, 2014 को 1500 बजे निम्नलिखित पते पर खोली जाएंगी:

निर्धनतम राज्य समावेशी वृद्धि कार्यक्रम(पीएसआईजी)
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)
भूतल, वीडियोकोन टावर, ई-1
रानी झांसी रोड, झंडेवालां एक्सटेंशन
नई दिल्ली - 110 055
फोन नम्बर - 011-23519653
ई-मेल आईडी - surendra@sidbi.in.

आप, दोनों बोलियॉ (तकनीकी एवं वाणिज्य प्रस्ताव) खोलने के समय और उससे संबंधित पूर्व-प्रस्ताव बैठक, यदि कोई होगी तो, में अपने खर्चों पर भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं।

बोलीकर्ता चाहे उपस्थित हों या न हों, पीएसआईजी/सिडबी बोली खोलने में हुई देरी या स्थगन के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। यदि बोलियां खोलने/पूर्व प्रस्ताव की बैठक की तिथियों में कोई परिवर्तन होता है, तो पीएसआईजी/सिडबी द्वारा यथासंभव समस्त बोलीकर्ताओं को उसकी सूचना दी जाएगी।

9 प्राप्तांक की कार्यप्रणाली एवं मूल्यांकन मानदंड

इस संविदा के लिए निविदाओं का मूल्यांकन गुणवत्ता एवं लागत आधारित चयन पद्धति के अनुसार किया जाएगा, जो निम्नलिखित भारिताओं के साथ तकनीकी एवं वाणिज्य बोलियों के मूल्यांकन के लिए लागू होगा :

तकनीकी मूल्यांकन	75%
वाणिज्य मूल्यांकन	25%

i) तकनीकी मूल्यांकन

तकनीकी मूल्यांकन करते समय निविदा की विषय-वस्तु में मूल्यांकन टीम के विश्वास के स्तर और कार्य को प्रभावी रूप से पूरा करने की निविदाकर्ता की क्षमता को बल दिया

जाता है। अत: निविदाकर्ता की यह जिम्मेदारी है कि अपनी निविदा में दी गई सूचनाओं का स्तर सुनिश्चित कर ले। निम्नलिखित स्थितियों में अधिक विश्वासनीयता प्राप्त होती है:

- प्रमुख विषयों की स्पष्ट जानकारी अंकित की गई हो। सूचनाओं के बारे में केवल, सामान्य कथन से और अस्पष्ट अभिव्यक्ति से अधिक अंक अर्जित नहीं हो सकेंगे।

- संविदा की पूरी अवधि के दौरान धन का इष्टतम मूल्य सुनिश्चित करते समय परिणाम (कार्यनिष्पादन प्रबंधन सहित) प्राप्त करने के लिए एक विश्वसनीय कार्य-प्रणाली दी गई हो। इस निविदा आंमत्रण से मिलते-जुलते कार्यों में यदि प्रस्तावित कार्य-प्रणाली सफलतापूर्वक इस्तेमाल की गई है, तो ऐसे सशक्त उदाहरणों का उल्लेख करें।

- एक सुसंतुलित टीम का प्रस्ताव किया गया हो, जिसमें स्तर और सही कौशल वाले लोग शामिल हों, जो सही समय पर और अपेक्षित दिनों के लिए अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो सकें।

ii) वाणिज्य मूल्यांकन :

निविदाकर्ताओं का लक्ष्य यह होना चाहिए कि वे वाणिज्य निविदा में यह दर्शाएं कि उनकी समग्र निविदा अपेक्षित वस्तुओं या सेवाओं के उपयोग की अवधि के लिए कम से कम लागत पर गुणवत्ता और प्रभावोत्पादकता का सर्वश्रेष्ठ मिश्रण है। अत: वाणिज्य निविदा में संविदा की संपूर्ण अवधि के दौरान आने वाली लागत स्पष्ट होनी चाहिए, जिसमें पूंजी, रख-रखाव, प्रबंध, परिचालन और निपटान लागत जैसे लागत तत्व शामिल हों। समय पर तथा बजट के भीतर प्रभावी ढंग से सुपुर्दगी सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय कार्यप्रणाली में वाणिज्य निविदा की तार्किकता स्पष्ट की जानी चाहिए और साथ ही जोखिमों और मुददों के प्रबंध के लिए अभिशासन एवं प्रबंधन कार्य-प्रणाली भी निर्धारित होनी चाहिए। इसमें यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शुल्क दरों (ऊपरी खर्चे, वेतन और लाभ मार्जिन) का निर्धारण किस आधार पर किया गया है और खर्चों की गणना का आधार क्या है? भुगतान कार्य-प्रणालियां इस प्रकार बनाई जाएं, जिससे कि वह कार्य-निष्पादन प्रबंध और प्रभावी सुपुर्दगी का समर्थन करें।

iii) प्राप्तांक की कार्यप्रणाली :

मूल्यांकन टीम निम्निलखित प्राप्तांक कार्य-प्रणाली अपनाएगी :

6	उत्कृष्ट, विचाराधीन विषय की सभी अपेक्षाओं और निविदा आमंत्रण की सभी शर्तों को पूरा करते हों, और जहां संबद्ध हो, वहां ग्राहक की आशाओं के अनुरूप इनके समायोजन(फाइन ट्यूनिंग) को प्रदर्शित करते हों, और जिनकी गुणवत्ता और जानकारी का स्तर तथा समझ ऐसी हो, जो कार्य की निश्चित रूप से पूर्ति और संविदा (जहां लागू हो) के पूरा होने का विश्वास दिलाती हो।
5	अत्यधिक विश्वास - कि वे विचाराधीन विषय की अपेक्षाओं की पूर्ति कर सकते हैं (और जहां इसके पुख्ता प्रमाण की आवश्यकता है, वहां उसे प्रस्तुत किया गया हो)। यह भी इंगित हो कि उनसे जिस कार्य को पूरा करने की अपेक्षा की जा रही है, उसकी उन्हें पूरी समझ है और वे जो कह रहे हैं उसे संविदा की शर्तों (जहां लागू हों) के अनुसार पूरा कर सकते हैं।
4	विचाराधीन विषय की सुपुर्दगी से संबधित समस्त मामलों की समझ हो और प्रस्ताव की व्यवहार्यता के अनुकूल अपनी कार्यनीति प्रदर्शित की गई हो, जिससे ऐसा विश्वास पैदा हो सके कि इस कार्य को संविदा की शर्तों (जहां लागू हों) के अनुसार पूरा कर लिया जाएगा।
3	विचाराधीन विषय की सुपुर्दगी से संबंधित अधिकतर मामलों की समझ है और पर्याप्त जानकारी होने से उन्हें समुचित रूप से पूरा कर सकते हैं, किन्तु उससे संबद्ध थोडी-सी जानकारी ही दी गई है, जो केवल थोड़ा-सा ही विश्वास जगाता है कि संबंधित कार्य को अपेक्षा के अनुरूप पूरा कर लिया जाएगा।
2	विचाराधीन विषयों की सुपुर्दगी से संबंधित कुछ मामलों की समझ नहीं है और सूचना और विवरणों की गुणवत्ता का स्तर भी सामान्य तौर पर निम्नतर है। साथ ही, पूछने पर भी वांछित जानकारी देने में असमर्थ हैं और इस प्रकार अनेक दृष्टियों से कार्य को अपेक्षा के अनुरूप पूरा करने में असफल है और इन पर अधिक भरोसा नहीं किया जा सकता है।
1	विचाराधीन विषय की अत्यन्त कम समझ है और सूचना की गुणवत्ता भी सतही है तथा वांछित सूचना भी आधी-अधूरी दी गई है। जिससे बिल्कुल विश्वास नहीं होता है कि कार्यों की पूर्ति एवं प्रबंध अपेक्षा के अनुरूप होगा।
0	विचाराधीन विषय की अपेक्षाओं को पूरा करने में पूर्ण रूप से असफल है।

प्राप्तांकों की उपर्युक्त कार्य-प्रणाली नीचे दी गई तालिका में इंगित प्रत्येक मानदंड पर लागू होगी। प्रत्येक मानदंड के लिए कुल अंकों का निर्धारण प्राप्तांको(0 से 6) को हर मानदंडों के लिए आवंटित भारिता से गुणा करके किया जाएगा।

iv) मूल्यांकन मानदंड :

इस निविदा आमंत्रण के संबंध में लागू मूल्यांकन मानदंडों और भारिताओं का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

प्रमुख मानदंड एवं भारिता	उप मानदंड	उप भारिता
कार्मिकों की गुणवत्ता -45	प्रस्तावित टीम लीडर की अर्हता, कौशल, ज्ञान और अनुभव	20
	टीम के अन्य सदस्यों, दीर्घकालीन विशेषज्ञों(केवल मुख्य टीम) की अर्हता, कौशल, ज्ञान, अनुभव, कौशल मिश्रण और लिंग मिश्रण	20
	कार्यक्रम की अवधि के दौरान मुख्य कर्मियों को दल में सुरक्षित रखने और बनाए रखने का प्रावधान	5
कार्य-प्रणाली (दिनों की संख्या की निविष्टियां सहित)	विचाराधीन विषय(शर्तों) का अनुपालन, परियोजना की समझ, स्पष्टता/तार्किकता, परिणामों के प्रति साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण	15
	आंकडों के संकलन की कार्य प्रणाली - संख्यात्मक और गुणात्मक, निगरानी एवं मूल्यांकन	15
वाणिज्य - 25	बाजार की दरों की तुलना में शुल्क दरों, परियोजना व्ययों और समग्र परियोजना लागत की प्रतिस्पर्धी क्षमता	15
	धन के लिए मूल्य दर्शाते हुए परामर्शदाता-दरों की कार्य-प्रणाली एवं उच्चतम सीमा	5
	कार्य के विभिन्न चरणों के परिणामों से संबद्ध एक स्पष्ट एवं प्रभावी वित्तीय योजना भुगतान की जानकारी दी जाए, जिसमें लागत में शामिल वित्तीय जोखिम/प्रासंगिक व्ययों का उल्लेख हो।	3
	कार्य पूरा करने के लिए जिस लागत पर सहमति हुई है, उसी के भीतर कार्य को पूरो करने की कार्य-प्रणाली।	2

10 तकनीकी मूल्यांकन में अधिकतम 75 अंकों में से न्यूनतम 55 अंक प्राप्त करने वाली फर्मों के ही वित्तीय प्रस्ताव उस पीएसआईजी राज्य विशेष के लिए खोले जाएंगे। तकनीकी मूल्यांकन में अर्ह न होने वाली फर्मों के वित्तीय प्रस्ताव बिना खोले ही लौटा दिए जाएंगे।

11 यदि आवश्यकता पड़ी, तो सूचीबद्ध फर्मों से अपने प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध किया जाएगा।

12 निविदाएं (तकनीकी एवं वाणिज्यिक) साझेदार सरकारों या संगठनों को उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि मूल्यांकन पेनल में शामिल होने की स्थिति में उन्हें इसका लाभ मिल सके।

13 निविदा प्रस्तुत करने हेतु जिन निविदाकर्ताओं को आंमत्रित किया जाएगा, उनसे यह अपेक्षित होगा कि वे परामर्शदायी संविदा की शर्तों का अनुपालन करें, जो संलग्न की जा रही हैं।

भवदीय,

सुरेन्द्र श्रीवास्तव
उप महाप्रबंधक
सिडबी/पीएसआईजी

For remaining documents of this tender the English version of the RFP (http://sidbi.in/sites/default/files/tenders/RFP_SIDBI_PSIG_Techno_Inclusion_Fund.pdf) link is attached.